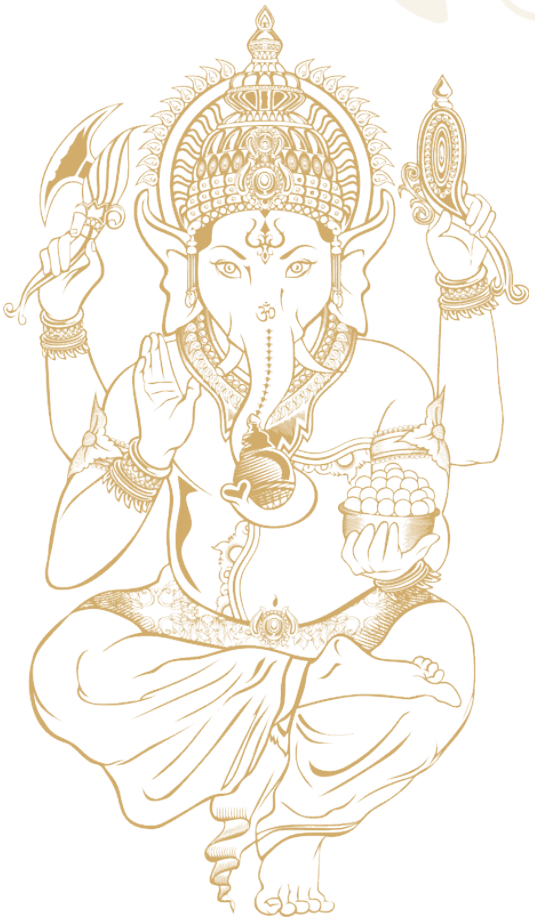

Mr.

27 Apr 1993

04:10 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121698804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/04/1993**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	56:05:24 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:54:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	18:14:00 घंटे
सूर्योदय	05:43:50 घंटे
सूर्यास्त	18:43:43 घंटे
दिनमान	12:59:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:55:40 मेष
लग्न के अंश	11:02:28 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:02:28	494:43:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मेष	12:55:40	00:58:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	10:32:49	13:08:07	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	05:44:16	00:28:22	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मीन	23:38:19	01:42:19	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	12:47:07	00:05:51	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:20:05	00:09:49	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			कुंभ	04:59:57	00:04:05	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:48:39	00:01:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:48:39	00:01:33	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	28:25:24	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	27:22:49	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	00:51:49	00:01:34	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	09:26:50	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:05

लग्न-चलित

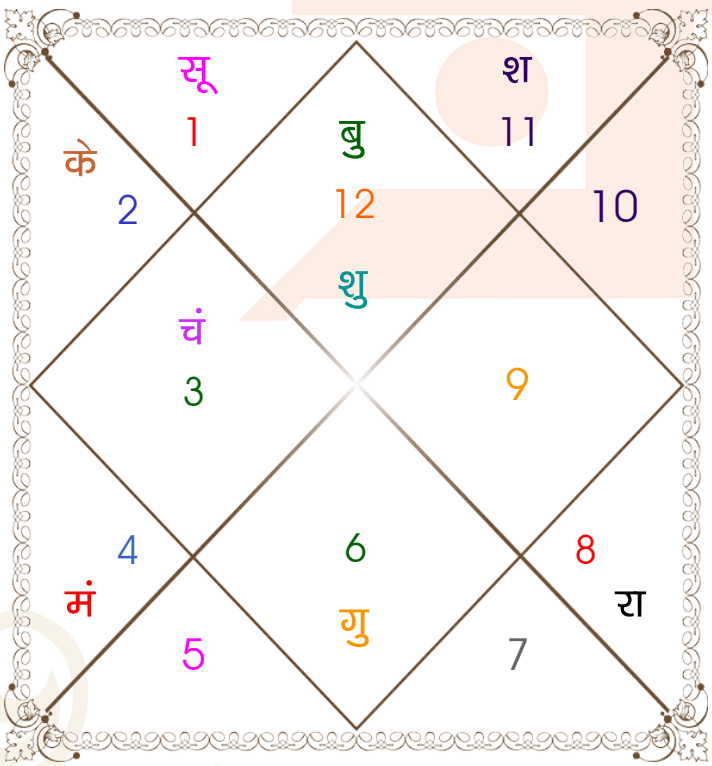

चन्द्र कुंडली

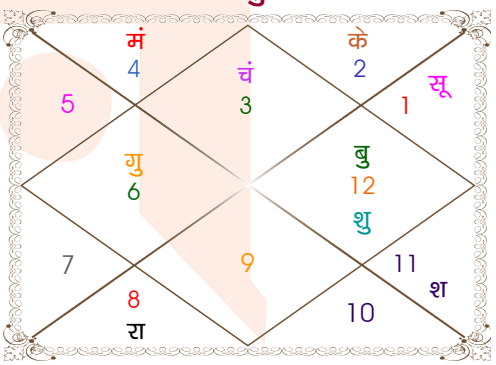

नवमांश कुंडली

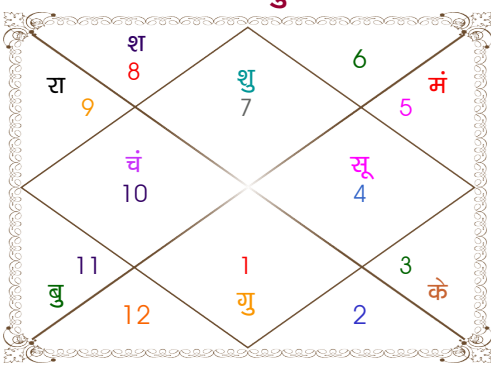

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 9 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/04/1993		30/01/2006		30/01/2022		30/01/2041		30/01/2058	
30/01/2006		30/01/2022		30/01/2041		30/01/2058		30/01/2065	
	00/00/0000	गुरु	19/03/2008	शनि	02/02/2025	बुध	28/06/2043	केतु	28/06/2058
	27/04/1993	शनि	30/09/2010	बुध	13/10/2027	केतु	24/06/2044	शुक्र	28/08/2059
शनि	12/01/1996	बुध	05/01/2013	केतु	21/11/2028	शुक्र	25/04/2047	सूर्य	03/01/2060
बुध	31/07/1998	केतु	12/12/2013	शुक्र	21/01/2032	सूर्य	01/03/2048	चंद्र	03/08/2060
केतु	19/08/1999	शुक्र	12/08/2016	सूर्य	02/01/2033	चंद्र	31/07/2049	मंगल	30/12/2060
शुक्र	19/08/2002	सूर्य	31/05/2017	चंद्र	04/08/2034	मंगल	28/07/2050	राहु	18/01/2062
सूर्य	13/07/2003	चंद्र	30/09/2018	मंगल	12/09/2035	राहु	14/02/2053	गुरु	25/12/2062
चंद्र	11/01/2005	मंगल	06/09/2019	राहु	19/07/2038	गुरु	23/05/2055	शनि	02/02/2064
मंगल	30/01/2006	राहु	30/01/2022	गुरु	30/01/2041	शनि	30/01/2058	बुध	30/01/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/01/2065		30/01/2085		30/01/2091		31/01/2101		31/01/2108	
30/01/2085		30/01/2091		31/01/2101		31/01/2108		00/00/0000	
शुक्र	31/05/2068	सूर्य	19/05/2085	चंद्र	30/11/2091	मंगल	29/06/2101	राहु	14/10/2110
सूर्य	31/05/2069	चंद्र	18/11/2085	मंगल	01/07/2092	राहु	17/07/2102	गुरु	08/03/2113
चंद्र	30/01/2071	मंगल	26/03/2086	राहु	30/12/2093	गुरु	23/06/2103	शनि	28/04/2113
मंगल	31/03/2072	राहु	17/02/2087	गुरु	01/05/2095	शनि	01/08/2104		00/00/0000
राहु	01/04/2075	गुरु	07/12/2087	शनि	30/11/2096	बुध	29/07/2105		00/00/0000
गुरु	30/11/2077	शनि	18/11/2088	बुध	01/05/2098	केतु	25/12/2105		00/00/0000
शनि	30/01/2081	बुध	24/09/2089	केतु	30/11/2098	शुक्र	24/02/2107		00/00/0000
बुध	30/11/2083	केतु	30/01/2090	शुक्र	01/08/2100	सूर्य	02/07/2107		00/00/0000
केतु	30/01/2085	शुक्र	30/01/2091	सूर्य	31/01/2101	चंद्र	31/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।